प्रतिदर्श प्रश्न पत्र–2

विषय : हिन्दी (ऐच्छिक)

कक्षा–XI

समयः 3 घण्टे **पूर्णांक : 80**

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें-

व्यक्ति, चाहे वह शहर में रहता हो या गाँव में, महल में रहता हो या झोपड़ी में, बहुमंजिली इमारत के फ्लैट में रहता हो या स्वतंत्र बंगले में, वह किसी न किसी का पड़ोसी अवश्य है। बिना पास-पड़ोस के मनुष्य जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है।

एक समय था जब एक ही गाँव, शहर अथवा गली मुहल्ले में रहने वालों के बीच इतनी घनिष्ठता थी कि वे एक दूसरे के यहाँ बाहर से आए लोगों को उनके गंतव्य तक पहुँचा देते थे अथवा उनका पता बता देते थे। क्योंकि वे मिलनसार थे, उनके बीच अपनापन था, वे एक दूसरे के सुख-दुख में सहभागी होते थे। लेकिन आज परिदृश्य पूरी तरह बदला हुआ है। एक ही इमारत में रहने वाले यह नहीं जानते कि पास वाले फ्लैट में कौन रहता है? तो गली मोहल्लों में रहने वालों से जान-पहचान होने का तो प्रश्न ही पैदा नहीं होता। वे रहते तो पास-पास हैं, लेकिन अजनबियों की तरह। क्या इसी का नाम पड़ोस है?

आज व्यस्त और भागमभाग भरे शहरी और महानगरीय जीवन में व्यक्ति अपने पास रहने वाले तक को नहीं पहचानता। आखिर पास रहकर भी यह दूरी क्यों?

आज महानगरों में रहने वाले लोग अपने आप में मस्त रहते हैं। उनका अपना एक अलग 'सोशल सर्कल' होता है, उसी में उनकी बैठक है, आना-जाना है। उनकी दुनिया वहीं तक सीमित है। उन्हें अपने आस-पास की दुनिया से कोई सरोकार नहीं। आस पड़ोस में अथवा अपने बहुमंजिले भवन में कौन रहता है? कौन नया व्यक्ति रहने आया है? और कौन छोड़कर चल गया है इससे किसी को कोई मतलब नहीं।

(क) आज का महानगरीय जीवन कैसा है? (2)

(ख) व्यस्तता का शहरी जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा? (2)

(ग) पुराना समय कैसा था? (2)

(घ) आज के महानगरीय लोग कैसे हैं? (2)

(ङ) समास-विग्रह कर समास का नाम लिखो - (1)
सुख-दुख, आस-पास

(च) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखें। (1)

(छ) 'पड़ोसी' शब्द से क्या अभिप्राय हैं। (1)

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
नाम अलग हैं देश-देश के, पर वसुंधरा एक है,

फल-फूलों के रूप अलग पर भूमि उर्वरा एक है,
धरा बाँटकर हृदय न बाँटो, दूर रहो संहार से।।
कभी न सोचो तुम अनाथ, एकाकी या निष्प्राण रे!
बूँद-बूँद करती है मिलकर, सागर का निर्माण रे!
लहर लहर देती संदेश यह, दूर क्षितिज के पार से।।
धर्म वही है, जो करता है, मानव का उद्धार रे!
धर्म नहीं वह जो कि डाल दे, दिल में एक दरार रे!
करो न दूषित आँगन मन का, नफरत की दीवार से।।
सीमाओं को लांघ न कुचलो, स्वतंत्रता का शीश रे!
बमबारी की स्वरलिपि में मत लिखो शांति का गीत रे!
बँध न सकेगी लय गीतों की, ऐसे स्वर विस्तार से।।
राजनीति में स्वार्थ न लाओ, भरो न विष संसार में,
पशुता भरकर संस्कृति में, मत भरो वासना प्यार में,
करो न कलुषित जन-जीवन तुम, रूप प्रणय व्यापार से।।

(क) लहरें क्या संदेश दे रही हैं? 1

(ख) धर्म की पहचान क्या है? 1

(ग) शांति गीत कैसा होना चाहिए? 1

(घ) कवि क्या करने को मना करता है? 1

(ङ) राजनीति, संस्कृति और जन-जीवन के लिए क्या-क्या घातक है? 1

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर निबंध लिखिए। 8

1. राष्ट्र निर्माण में नारी का योगदान
2. समाचारपत्र और उसके लाभ
3. साहित्य समाज का दर्पण है
4. बिखरता पारिवारिक जीवन

4. अपने शहर की कानून व्यवस्था की निरंतर बिगड़ती स्थिति का विवरण देते हुए उससे निपटने के लिए पुलिस आयुक्त को पत्र लिखें। 5

अथवा

'दैनिक भास्कर' को अपने खेल विभाग के लिए संवाददाताओं की आवश्कता है। इस पद हेतु खेलों का ज्ञान और उनमें रुचि के साथ-साथ हिन्दी भाषा में लेखन अभ्यास तथा अच्छी गति हो। इस पद के लिए प्रधान सम्पादक को आवेदन पत्र लिखें।
(स्ववृत्त संलग्न करें)

5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. रेडियो का अविष्कार किसने किया?
2. अंतर्वेयाक्तिक संचार से आप क्या समझते है?

3. फीडबैक क्या है?

4. समाचार के संदर्भ में डेडलाइन क्या है?

5. पीत-पत्रकारिता क्या है?

(4)

6. विद्यालय में जिला-स्तर की खेलकूद संबंधी गतिविधियाँ होनी है, इसके उचित संचालन के लिए बैठक से पूर्व कार्यसूची अथवा कार्यवृत्त बनाइए। (3)

अथवा

7. किसी एक काव्यांश की सप्रंग व्याख्या कीजिए- (6)

साँसनि ही सौं समीर गयो अरु, आँसुन ही सब नीर ढरि।
तेज गयो गुन लै अपनो, अरु भूमि गई तन की तनुता करि।।
'देव' जियै मिलिबेही की आस कि, आसहू पास आकश रह्यो भरि,
जा दिन तै मुख फेरि हरै हँसि, हेरि हियो जु लियो हरि जू हरि।।

अथवा

चिर सजग आँखें उनींदी आज कैसा व्यस्त बाना।
जाग तुझको दूर जाना!
अचल हिमगिरि के हृदय में आज चाहे कंप हो ले,
या प्रलय के आँसुओं में मौन अलसित व्योम रो ले;
आज पी आलोक को डोले तिमिर की छोर छाया,
जागकर विद्युत-शिखाओं में निठुर तूफ़ान बोले!
पर तुझे है नाश-पथ पर चिह्न अपने छोड़ आना।
जाग तुझको दूर जाना!

8. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- $2\times2 = 4$

(क) 'सपना' सवैये में गोपी की दोनों अवस्थाओं को स्पष्ट करें। साथ ही स्पष्ट करें कि नींद टूटने को भाग सो जाना क्यों कहा गया है?

(ख) 'संध्या के बाद' कविता के आधार पर 'कर्म और गुण के समान ही सकल आय व्यय का हो वितरण'-पंक्ति के माध्यम से कवि कैसे समाज की ओर संकेत कर रहा है?

(ग) 'घर में वापसी' कविता के आधार पर निम्न पंक्ति का आशय स्पष्ट करें -
'पत्नी की आँखें आँखे नहीं हाथ हैं,
जो मुझे थामे हुए हैं।'

9. निम्नलिखित काव्यांशों का काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए- $3\times2 = 6$

(क) कोमल तन आज्ञा करवावति, कटि टेढ़ौ ह्वै आवति।
अति अधीन सुजान कनौड़े, गिरिधर नार नवावति।

(ख) सिमट पंख सांझ की लाली
जा बैठी अब तरु शिखरों पर

ताम्रपर्ण पीपल से, शतमुख
झरते चंचल स्वर्णिम निर्झर।
ज्योति स्तंभ-सा धंस सरिता में
सूर्य क्षितिज पर होता ओझल,

10. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- (5)

(क) "मैं आज मनुष्य को एक घने अंधकार में देख रहा हूँ। उसके भीतर कुछ बुझ गया है। यह युग ही अन्धकारमय है। यह सर्वग्राही अन्धकार सम्पूर्ण विश्व को अपने उदर में छिपाए है। आज मनुष्य इस अन्धकार से घबरा उठा है। वह पथभ्रष्ट हो गया है। आज आत्मा में भी अन्धकार है। अन्तर की आँखें ज्योतिहीन हो गई हैं। वे उसे भेद नहीं पातीं। मानव-आत्मा अन्धकार में घुटती है। मैं देख रहा हूँ, मनुष्य की आत्मा भय और पीड़ा से त्रस्त है।"

अथवा

चारों ओर आँख उठाकर देखिए तो बिना काम करने वालों की ही चारों ओर बढ़ती है। रोज़गार कहीं कुछ भी नहीं है, अमीरों की मुसाहबी, दल्लाली या अमीरों के नौजवान लड़कों को खराब करना या किसी की जमा मार लेना, इसके सिवा बतलाइए कौन रोज़गार है जिससे कोई रुपया मिलें। चारों ओर दरिद्रता की आग लगी हुई है। किसी ने बहुत ठीक कहा है कि दरिद्र, कुटुंबी इस तरह अपनी इज्जत बचाए फिरता है, जैसे लाजवंती कुल की बहू फटे कपड़े में अपना अंग छिपाए रहती है। वही दशा हिन्दुस्तान की है।

11. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 3x2 = 6

(क) 'बच्चे हामिद ने बूढे हामिद का पार्ट खेला था। बुढ़िया अमीना बालिका अमीना बन गई'-ईदगाह पाठ के आधार पर कथन का आशय स्पष्ट करें।

(ख) 'गूँगा दया या सहानुभूति नहीं, अधिकार चाहता था'- गूँगे कहानी के आधार पर कथन का आशय स्पष्ट करें।

(ग) 'उसकी पूरी जिंदगी भूल का एक नक्शा है' - इस कथन द्वारा लेखक व्यक्ति के बारे में क्या कहना चाहता है?

12. पद्माकर अथवा महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

अथवा

हरिशंकर परसाई अथवा सुधार अरोड़ा का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी शैलीगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

13. किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए- 4x2 = 8

(क) एकांकी (अण्डे के छिलके) में अम्माँ की जो तस्वीर उभरती है, अंत में वह बिल्कुल बदल जाती है- टिप्पणी करें।

(ख) 'लेखक जन्मजात कलाकार है' – यह तथ्य किस प्रकार उद्घाटित होता है।

(ग) नाना के घर किन-किन बातों का निषेध था? शरत् को उन निषिद्ध कार्यों को करना क्यों प्रिय था? ('दिशाहारा पाठ' के आधार पर उत्तर दें।)

14. **(क) कला के प्रति लोगों का नजरिया पहले कैसा था? उसमें अब क्या परिवर्तन आया है?** **4**

अथवा

शरत् की रचनाओं में उनके जीवन की अनेक घटनाएँ व पात्र सजीव हो उठे हैं। पाठ 'दिशाहारा' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।